No. of Page : 4
No. of Q. : 20

नामांक _____ ROLL NO. _____

J-101

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा, 2019-20

कक्षा-9

विषय - हिन्दी

समय : 3¼ घण्टे **पूर्णांक : 70**

नोट :- 1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के अंक उनके सामने अंकित है।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है। ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की सबसे पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिन्ता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं? जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। साहसी मनुष्य अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है, जिन सपनों का कोई व्यवहारिक अर्थ नहीं है। झुण्ड में चलना और झुण्ड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिल्कुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। ½

(ख) साहसी मनुष्य की सबसे पहली पहचान क्या होती है? 1

(ग) लेखक ने सबसे बड़ी जिन्दगी किसे और क्यों कहा है? 1

2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

रवि जग में शोभा सरसाता, सोम सुधा बरसाता।
सब हैं लगे कर्म में, कोई निष्क्रिय दृष्टि न आता।
हैं उद्देश्य नितान्त तुच्छ तृण के भी लघु जीवन का।
उसी पूर्ति में वह करता है, अंत कर्ममय तन का।

P.T.O.

तुम मनुष्य हो, अमित बुद्धि-बल-विलसित जन्म तुम्हारा।
क्या उद्देश्य रहित है जग में, तुमने कभी विचारा?
बुरा न मानो, एक बार सोचो तुम अपने मन में,
क्या कर्त्तव्य समाप्त कर लिया तुमने निज जीवन में?
जिस पर गिरकर उदर-दरी से तुमने जन्म लिया है,
ज़िसका खाकर अन्न सुधा सम नीर, समीर पीया है,
कहीं स्नेह की मर्ति दयामयि माता तुल्य मही है,
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं है?

(क) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। ½

(ख) 'स्नेह की मूर्ति' का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) पृथ्वी के प्रति मानव का विशेष कर्त्तव्य क्यों है? 1

खण्ड - ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत

(i) प्रस्तावना (ii) स्वच्छता व स्वास्थ्य (iii) स्वच्छता का व्यापक क्षेत्र (iv) स्वच्छता से लाभ (v) उपसंहार

(ख) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(i) प्रस्तावना (ii) अनुशासन की आवश्यकता (iii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन से लाभ (iv) अनुशासनहीनता से हानि (v) उपसंहार

(ग) सूचना एवं संचार की महाक्रान्ति : इंटरनेट

(i) प्रस्तावना (ii) इंटरनेट से आशय (iii) इंटरनेट से लाभ व हानि (iv) इंटरनेट के सदुपयोग की आवश्यकता (v) उपसंहार

4. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदयपुर के छात्र मनोज मानते हुए अपने प्रधानाचार्य को खेलकूद व्यवस्था सुचारू रूप से करवाने हेतु एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। 4

अथवा

स्वयं को योगेश मानते हुए अपने अनुज कपिल को राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में सफल होने पर बधाई-पत्र लिखिए।

खण्ड - ग

5. जातिवाचक संज्ञा की परिभाषा एवं कोई दो उदाहरण लिखिए। 2

6. हिन्दी में संयुक्त व्यंजन कौन-कौन से हैं? स्पष्ट कीजिए। 2

7. उपसर्ग की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

8. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए- 2

(i) निन्दा (ii) औचित्य

(iii) अनुज (iv) आस्तिक

9. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए- 2

(i) सूर्य (ii) वृक्ष

(iii) कमल (iv) गणेश

10. निम्नलिंखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद कर सन्धि का नाम लिखिए- 2

(i) उज्ज्वल (ii) मनोभाव

11. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए- 1

(i) स्वास्थय (ii) इतिहासिक

12. निम्नलिखित शब्दों के लिंग वदलिए- 1

(i) वीर (ii) चौधरी

खण्ड - घ

13. निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 6

यह एक बड़ी सच्चाई है- शक्ति ही जीवन है और कमजोरी मृत्यु है। शक्ति परम सुख है, जीवन अजर-अमर है। कमजोरी कभी न हटने वाला बोझ और यन्त्रणा है, कमजोरी ही मृत्यु है।

अथवा

साहब ने कुटिल मुस्कान के साथ कहा, "मगर वजन चाहिए। आप समझे नहीं। जैसे आपकी सुन्दर वीणा है, इसका भी वजन भोला राम की दरख्वास्त पर रखा जा सकता है।"

14. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 6

मैया हौं न चरैहों गाइ।
सिगरे ग्वाल घिरावत मो सौं, मेरे पाइ पिराइ।
जौ न पत्याहि पूछि बलदाउहि, अपनी सौंह दिवाइ।
यह सुनि माई जसोदा ग्वालनि, गारी देति रिसाइ।
मैं पठवति अपने लरिका कौं, आवे मन बहराइ।
सूर स्याम मेरौ अति बालक, मारत ताहि रिंगाइ।

अथवा

बसो मोरे नैनन में नंदलाल।
मोहनि मूरति, साँवरि सूरति नैना बने बिसाल।

मोर मुकुट मकराकृत कुंडल, अरूण तिलक सोहे भाल।
अधर सुधा रस मुरली राजति उर वैजन्ती माल।
छुद्र-घंटिका कटि-तट सोभित, नूपुर सबद रसाल।
मीराँ प्रभु संतन सुखदायी, भगत बछल गोपाल॥

15. 'नींव की ईंट' पाठ के आधार पर नींव की ईंट के लक्ष्यार्थ को स्पष्ट कीजिए। 4

अथवा

"चित्तौड़ राग-रंग की भूमि नहीं है, यहाँ आग की लपटें नाचती हैं।" पंक्ति के आधार पर 'दीपदान' एकांकी की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

16. 'कबीर' पाठ के आधार पर आधुनिक संदर्भ में कबीर की प्रासंगिकता किस प्रकार है? समझाइए। 4

अथवा

सूरदास के पदों के आधार पर उनकी भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

17. (क) दीनों के हृदय को दीन-बन्धु का निवास स्थान क्यों माना गया है? 2
(ख) "सुन्दर सृष्टि हमेशा बलिदान खोजती है।" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 2
(ग) 'छोटा जादूगर' कहानी से क्या प्रेरणा मिलती है? 2
(घ) रहीम ने सूरज को चराचर नायक क्यों कहा है? 2

18. (क) नन्हा सा गिल्लू गिलहरियों के झुण्ड का नेता कैसे बना? 1
(ख) रहीम ने बड़ा व्यक्ति किसे माना है? 1
(ग) 'दीनों पर प्रेम' निबन्ध के लेखक का नाम लिखिए। 1
(घ) भोलाराम के मरने का सही कारण क्या था? 1

19. (क) 'मोको कहाँ ढूँढे बन्दे' पद में कबीर ने क्या संदेश दिया है? 2
(ख) बिहारी के काव्य की विशेषताएँ बताइए। 2

20. (क) सड़क सुरक्षा की दृष्टि से वाहन चालक के पाँच कर्त्तव्य बताइए। 2
(ख) सड़क दुर्घटना से बचने के दो उपाय बताइए। 1

❖❖❖